(ग) उत्तर प्रदेश में विगत दो वर्षों के दौरान ऐसी जिला सलाहकार समितियों के लिए कितने व्यक्तियों को नामित किया गया और उनके टेलीफोन बिल और डी.ए. आदि पर कुल कितनी राशि व्यय हुई ?

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी. वी. रंगैया नायडू) : (क) विभिन्न श्रेणियों के अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तियों को निष्पक्ष प्रतिनिधित्व देते हुए सरकार द्वारा दूरसंचार सलाहकार समितियों का गठन किया जाता है ।

(ख) दूरसंचार सलाहकार समितियों का गठन, दूरसंचार सेवाओं के कार्यनिष्पादन पर नजर रखने इनमें सुधार लाने हेतु विभाग को सलाह देने, टेलीफोन प्रयोग करने वाले लोगों और दूरसंचार विभाग के बीच सम्पर्क सूत्र की भूमिका अदा करने, ओवाईटी और गैर ओवाईटी विशेष श्रेणियों के अंतर्गत निष्पक्ष और समानता के आधार पर नियमों में यथा-उपलब्धित बिना बारी के टेलीफोन कनेक्शन देने का निर्णय लेने में विभाग की सहायता करने, आदि की दृष्टि से किया जाता है ।

(ग) उत्तर प्रदेश के विभिन्न टेलीफोन जिलों के लिए गठित दूरसंचार सलाहकार समितियों के वास्ते नामित व्यक्तियों की संख्या नीचे दी गई है :—

जिला/सर्किल का नाम	नामित व्यक्तियों की संख्या
1. आगरा	27
2. इलाहाबाद	23
3. गाजियाबाद	27
4. कानपुर	27
5. लखनऊ	34
6. मेरठ	35
7. वाराणसी	17

इन व्यक्तियों के टेलीफोन बिलों और दैनिक भत्ते पर किए गए व्यय के संबंध में सूचना एकत्र की जा रही है जिसे सदन-पटल पर रख दिया जाएगा ।

आगरा टेलीफोन एक्सचेंज में आग का लगना

2189. **श्री राम गोपाल यादव** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आगरा इलैक्ट्रानिक टेलीफोन एक्सचेंज में हुए भीषण अग्निकांड का क्या कारण था,

(ख) इस अग्निकांड से कितना नुकसान हुआ और एक्सचेंज को पूर्ववत कार्य शुरू करने में कितना समय लगेगा, और

(ग) क्या दूरसंचार विभाग आगरा इलैक्ट्रानिक एक्सचेंज पर निर्भर टेलीफोन एक्सचेंजों के लिए अलग इलैक्ट्रानिक एक्सचेंज स्थापित करने का विचार रखता है ?

संचार मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पी. वी. रंगैया नायडू) : (क) इस संबंध में अभी भी जांच पड़ताल चल रही है और सही कारण का अभी पता नहीं चला है ।

(ख) करीब 1.20 करोड़ रुपए की परिसंपत्तियों की हानि हुई है जैसे मुख्य वितरण फ्रेम, केबिल और कम्प्यूटर उपस्कर एक व्यक्ति की मृत्यु हुई थी । तीन व्यक्तियों को गंभीर तथा चार को मामूली चोटें आईं।

उपस्कर परीक्षण शुरू हो गया है और आग लगने के कारण दोष-दर (फाल्ट-रेट) बहुत ज्यादा है । एक्सचेंज यथाशीघ्र चालू करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं ।

(ग) जी हां 5000 लाइनों वाला एक अन्य स्थानीय इलैक्ट्रानिक एक्सचेंज संजय प्लेस में स्थापित करने का प्रस्ताव है ।

Violation of Companies Act by MTNL on Bonds Issue

2190. SHRI SUKOMAL SEN :
SHRI DIPEN GHOSH :

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether Mahanagar Telephone Nigam violated the Companies Act on the Bond's issue; and

(b) if so, what are the details thereof ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU) : (a) and (b) As per the legal opinion obtained by MTNL from its Attorney, there has not been any violation of the Companies Act, 1956 by MTNL for issue of bonds. The matter is under correspondence between MTNL and the Company Law Board.

PCO's in Remote Areas of Punjab

2191. SHRI IQBAL SINGH : Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether Government propose to provide Public Call Offices in remote areas of Punjab and extend its telecommunication net work for the purpose; and

(b) whether any time bound scheme has been finalised; and

(c) if so, what are the details thereof ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU) : (a) to (c) Sir, Public telephones are allotted in all areas of the country to all those who volunteer for the same subject to technical feasibility nad completion of departmental formalities under the franchise scheme. One applicant is provided with one Public Telephone each of local and STD/ISD type.

2850 Local and 1280 STD PTs were already working in Punjab as on 31st March '92 and 600 local and 600 STD PTs are planned to be added by 31st March '93. Besides, STD, PTs have also been provided on all National Highways in Punjab at 50 Km spacing which will be further reduced to 10 Km. gradually.

New Telephone Directories in Madhya Pradesh

2192. SHRI SURESH PACHOURI : Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) Whether it is a fact that Telephone Directories of many Telecommunication Districts in Madhya Pradesh have not been revised and reprinted for the last many years despite opening of new Telephone Exchanges and providing thousands of telephone connections in the State;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether it is also a fact that supplementary telephone directories have also not been issued to the telephone consumers for the last many years;

(d) if so, what are the reasons therefor; and

(e) by when Government propose to issue new telephone directories in Madhya Pradesh and how Government propose to revise and renew new telephone directories and supplementary thereof well in time in the State?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI P.V. RANGAYYA NAIDU) :

(a) Yes, Sir.

(b) Due to delay in finalisation of tenders, award of contracts and failure on the part of the Contractors, Telephone Directoires from 1989 onwards have not been published in respect of the following SSAs/Districts :-

(i) Chambal at Gwalior (ii) Gwalior

(iii) Chhindwara (iv) Sagar (v) Jabalpur.

(c) Yes, Sir.

(d) Supplementary Telephone Directories have not been published in some Telecom District due to delay in finalisation of tenders, award of contracts and failure on the part of the Contractors. However, the subscribers are notified about the changes in telephone numbers due to conversion of exchanges etc. separately.

(e) Comprehensive guidelines are already available for publication of telephone directories including Supplementary wherever necessary every year.

The Telephone Directories in respect of (i) Chambal at Gwalior, (ii) Gwalior, (iii) Chhindwara, (iv) Sagar and (v) Jabalpur are likely to be published shortly.